पूर्ति के प्रकार — वस्तु की पूर्ति में समय तत्व का महत्वपूर्ण स्थान है। जब वस्तु की कीमत में कोई परिवर्तन होता है तो उस परिवर्तन का प्रभाव वस्तु की पूर्ति पर एक समय बाद ही देखा जा सकता है। पूर्ति के निम्न प्रकार को बताया गया है।

① बाजार पूर्ति — बाजार पूर्ति को हम अति अल्पकालीन पूर्ति कह सकते है। यह पूर्ति बाजार में उपस्थित वस्तु की मात्रा को बताती है क्योंकि यह इतना अधिक कम समय होता है कि विक्रेता मांग के अनुसार अपनी पूर्ति को समायोजित नहीं कर पाते है।

② अल्पकालीन पूर्ति — अल्पकालीन पूर्ति एक के तारतम्य में यह कहा जाता है बाजार पूर्ति की अपेक्षा इसमें विक्रेता के पास समय अधिक रहता है। अतः विक्रेता अपनी वस्तु की पूर्ति में मांग के अनुसार थोड़ी बहुत वृद्धि या कमी कर सकता है। लेकिन उसे इतना समय नहीं मिलपाता है कि वह पूर्ण रूप से पूर्ति को मांग के अनुरूप समायोजित कर सके।

③ दीर्घकालीन पूर्ति — इस स्थिति में पूर्ति को कम करने या बढ़ाने का प्रभाव समय रहता है। अतः विक्रेता किसी भी सीमा तक पूर्ति को मांग के अनुरूप समायोजित कर सकता है।

④ संयुक्त पूर्ति एवं सामूहिक पूर्ति — जब दो या दो से अधिक वस्तुएं एक साथ ही एक ही स्रोत से प्राप्त होते है तो उसे संयुक्त पूर्ति वाली वस्तुएं कहते है। इसके विपरीत जब वस्तु विशेष

Oxford

Scanned with CamScanner

की पूर्ति विभिन्न प्रतियोगी स्त्रोतों से प्राप्त होती है तो उसे सामूहिक पूर्ति कहते हैं

पूंजी का विस्तार और संकुचन

जब किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन होता है और फलस्वरूप उसकी पूर्ति में परिवर्तन होता है तब उसे पूर्ति का विस्तार या पूर्ति का संकुचन कहते हैं

पूर्ति का विस्तार — अन्य बातें समान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत बढ़ती है और इसके फलस्वरूप पूर्ति अधिक हो जाती है तो इसे बढ़ती हुई पूर्ति का विस्तार कहते हैं पूर्ति के विस्तार से पूर्ति वक्र नहीं बदलता है। वक्र पूर्ति का बिन्दु उसी वक्र पर दायीं ओर खिसक जाता है उदाहरण के लिए जब एक पेन की कीमत 1 रु० है तो 10 पेन की आपूर्ति की जाती है। और जब उसी पेन की कीमत 5 रु० हो जाती है तो 50 पेन की पूर्ति की जाती है यह पूर्ति विस्तार का उदाहरण है इस रेखा चित्र द्वारा आसानी से बताया जा सकता है। चित्र में SS रेखा पेन की पूर्ति रेखा है जब पेन की कीमत 1 रु० है तो पूर्ति 10 है और जब पेन की कीमत 5 रु० हो जाती है तो पूर्ति 50 पेन की है OX पर कीमत तथा OY पर पूर्ति को दिखाया गया है उत्पादन पूर्ति वक्र SS में A बिन्दु से B पर पहुँच जाता है।

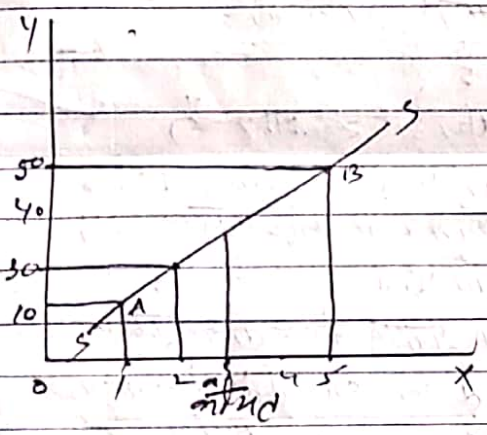

② पूर्ति का संकुचन — अन्य बातें समान रहने पर जब किसी वस्तु की कीमत के कम होने के फलस्वरूप उसकी पूर्ति कम हो जाती है तो पूर्ति में होने वाली कमी को पूर्ति का संकुचन कहते हैं। पूर्ति के संकुचन में भी पूर्ति वक्र नहीं बदलता है बल्कि पूर्ति का बिन्दु उसी वक्र पर बायीं ओर खिसक जाता है उदाहरण के लिए 5 रु० कीमत पर पेन की पूर्ति 50 है जब कीमत कम होकर 1 रु० हो जाती है तब पूर्ति घटकर 10 हो जाती है। उसे पूर्ति का संकुचन कहते हैं

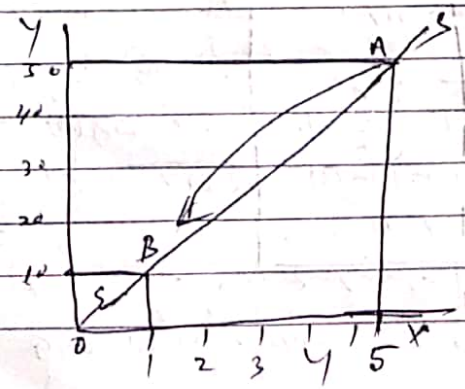

Scanned with CamScanner